Patrika (Indore), 16th January 2026, Page – 04

हाई, मिड, लो और नो-प्रिपरेशन कैटेगरी की समस्याओं में जीते मेडल

टेक्निकल, स्पोर्ट्स और कल्चरल एक्टिविटी में आइआइटी इंदौर तीसरे स्थान पर रहा

इंदौर @ पत्रिका. आइआइटी इंदौर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर के इंटर-आइआइटी आयोजनों में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान को देश के प्रमुख संस्थानों की कतार में मजबूती से खड़ा किया है। विद्यार्थियों ने टेक्निकल, स्पोर्ट्स और कल्चरल, तीनों ही क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया है। आइआइटी पटना में आयोजित इंटर-आइआइटी टेक मीट 14.0 में आइआइटी इंदौर ने 23 आइआइटी के बीच ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल किया। यह पहली बार है जब किसी सेकंड-जेनरेशन आइआइटी ने ओवरऑल टॉप-3 में जगह बनाई है।

विद्यार्थियों ने हाई, मिड, लो और नो-प्रिपरेशन कैटेगरी की विभिन्न तकनीकी समस्याओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। खास बात यह रही कि पूरी प्रतियोगिता के दौरान टीम पर एक भी पेनल्टी नहीं लगी।

स्पोर्ट्स मीट में लगातार बेहतर प्रदर्शन

आइआइटी हैदराबाद, आइआइटी मद्रास और आइआइटी तिरुपति में आयोजित 58वें इंटर- आइआइटी स्पोर्ट्स मीट 2025 में भी आइआइटी इंदौर के खिलाड़ियों ने दमदारी दिखाई थी। महिला बैडमिंटन और महिला वॉलीबॉल टीम ने चौथा स्थान हासिल किया, जो इंटर- आइआइटी स्तर पर उपलब्धि मानी जा रही है।

इंटर- आइआइटी आयोजनों में लगातार सुधार

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि टेक्निकल, स्पोर्ट्स और कल्चरल मंचों पर विद्यार्थियों का प्रदर्शन संस्थान की समग्र शिक्षा प्रणाली को दर्शाता है। एक बड़ा कारण संस्थान का मेकर स्पेस है, जहां विद्यार्थियों को आधुनिक उपकरण, प्रोटोटाइपिंग सुविधाएं और नवाचार को बढ़ावा देने वाला वातावरण मिलता है, वहीं अधिष्ठाता छात्र कार्य प्रो. आमोद उमरीकर ने कहा कि इंटर-आइआइटी आयोजनों में लगातार सुधार से विद्यार्थी पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती और बेहतर मार्गदर्शन की सफलता झलकती है।

कल्चरल मीट में अब तक का सबसे बड़ा दल

आइआइटी कानपुर में इंटर- आइआइटी कल्चरल मीट 8.0 में आइआइटी इंदौर ने 174 विद्यार्थियों का अब तक का सबसे बड़ा सांस्कृतिक दल उतारा। विद्यार्थियों ने परफॉर्मिंग आर्ट्स, डिजिटल आर्ट्स, फाइन आर्ट्स, साहित्य, फैशन, कुलिनरी आर्ट्स सहित कई श्रेणियों में हिस्सा लिया।